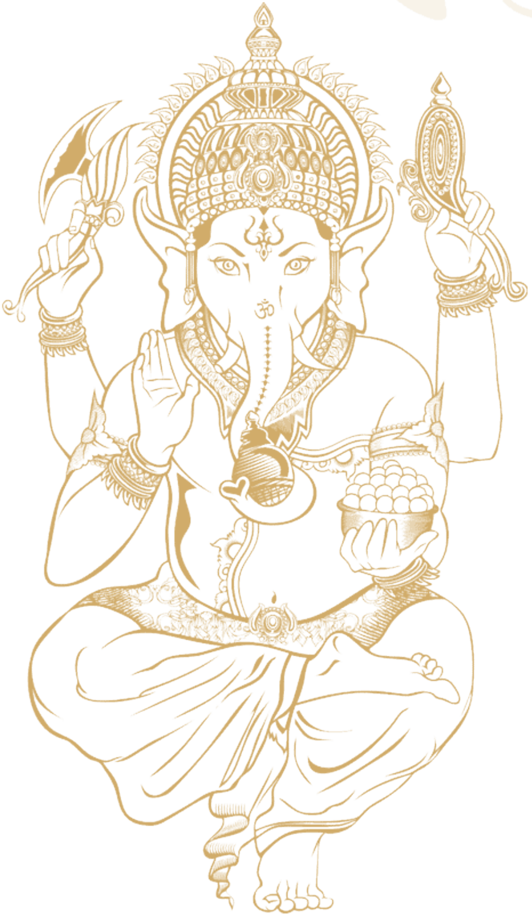

Vikas ji pandey

29 Nov 1979

03:10 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121794507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/11/1979**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:10:00 घंटे**
इष्ट	20:38:36 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:48:52 घंटे
वेलान्तर	00:11:55 घंटे
साम्पातिक काल	19:19:36 घंटे
सूर्योदय	06:54:33 घंटे
सूर्यास्त	17:23:51 घंटे
दिनमान	10:29:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	12:59:33 वृश्चिक
लग्न के अंश	04:13:57 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:13:57	483:02:44	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	12:59:33	01:00:46	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	16:07:52	14:13:27	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	10:30:32	00:24:26	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध	व		तुला	26:05:11	00:01:21	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	15:30:16	00:05:00	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			धनु	07:25:41	01:14:36	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
शनि			कन्या	02:07:37	00:03:58	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		सिंह	10:12:26	00:04:13	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	10:12:26	00:04:13	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			तुला	28:39:49	00:03:39	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
नेप			वृश्चि	26:07:52	00:02:13	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
प्लूटो			कन्या	27:17:40	00:01:49	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	---
दशम भाव			धनु	24:47:42	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:34:26

लग्न-चलित

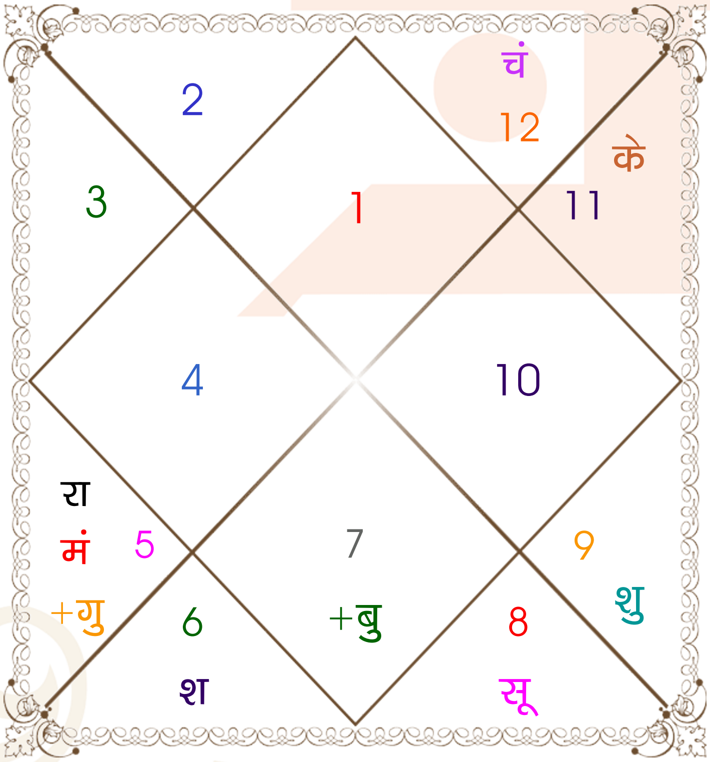

चन्द्र कुंडली

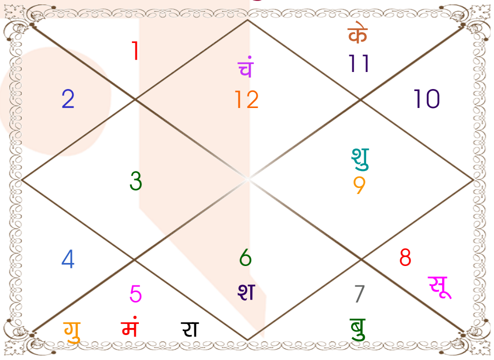

नवमांश कुंडली

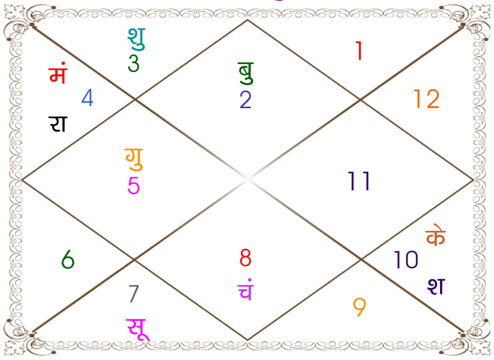

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 9 मास 4 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
29/11/1979	**03/09/1980**	**03/09/1997**	**03/09/2004**	**03/09/2024**
03/09/1980	**03/09/1997**	**03/09/2004**	**03/09/2024**	**03/09/2030**
00/00/0000	बुध 31/01/1983	केतु 30/01/1998	शुक्र 03/01/2008	सूर्य 21/12/2024
00/00/0000	केतु 28/01/1984	शुक्र 01/04/1999	सूर्य 03/01/2009	चंद्र 22/06/2025
00/00/0000	शुक्र 28/11/1986	सूर्य 07/08/1999	चंद्र 03/09/2010	मंगल 28/10/2025
00/00/0000	सूर्य 04/10/1987	चंद्र 07/03/2000	मंगल 04/11/2011	राहु 22/09/2026
00/00/0000	चंद्र 05/03/1989	मंगल 03/08/2000	राहु 03/11/2014	गुरु 11/07/2027
00/00/0000	मंगल 02/03/1990	राहु 22/08/2001	गुरु 04/07/2017	शनि 22/06/2028
00/00/0000	राहु 18/09/1992	गुरु 29/07/2002	शनि 03/09/2020	बुध 28/04/2029
29/11/1979	गुरु 25/12/1994	शनि 07/09/2003	बुध 05/07/2023	केतु 03/09/2029
गुरु 03/09/1980	शनि 03/09/1997	बुध 03/09/2004	केतु 03/09/2024	शुक्र 03/09/2030

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
03/09/2030	**03/09/2040**	**04/09/2047**	**03/09/2065**	**03/09/2081**
03/09/2040	**04/09/2047**	**03/09/2065**	**03/09/2081**	**29/11/2099**
चंद्र 05/07/2031	मंगल 30/01/2041	राहु 17/05/2050	गुरु 22/10/2067	शनि 06/09/2084
मंगल 03/02/2032	राहु 18/02/2042	गुरु 09/10/2052	शनि 05/05/2070	बुध 17/05/2087
राहु 04/08/2033	गुरु 24/01/2043	शनि 16/08/2055	बुध 10/08/2072	केतु 25/06/2088
गुरु 04/12/2034	शनि 04/03/2044	बुध 05/03/2058	केतु 16/07/2073	शुक्र 26/08/2091
शनि 04/07/2036	बुध 01/03/2045	केतु 23/03/2059	शुक्र 16/03/2076	सूर्य 07/08/2092
बुध 03/12/2037	केतु 29/07/2045	शुक्र 23/03/2062	सूर्य 03/01/2077	चंद्र 08/03/2094
केतु 05/07/2038	शुक्र 28/09/2046	सूर्य 15/02/2063	चंद्र 05/05/2078	मंगल 17/04/2095
शुक्र 04/03/2040	सूर्य 03/02/2047	चंद्र 16/08/2064	मंगल 11/04/2079	राहु 21/02/2098
सूर्य 03/09/2040	चंद्र 04/09/2047	मंगल 03/09/2065	राहु 03/09/2081	गुरु 29/11/2099

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 9 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रुख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।